ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

4-03-2025

जब भी कोई असत्य बात देखते हो, सुनते हो तो असत्य वायुमण्डल नहीं फैलाओ। कई कहते हैं यह पाप कर्म है ना, पाप कर्म देखा नहीं जाता लेकिन वायुमण्डल में असत्यता की बातें फैलाना, यह भी तो पाप है। लौकिक परिवार में भी अगर कोई ऐसी बात देखी वा सुनी जाती है तो उसे फैलाया नहीं जाता। कान में सुना और दिल में छिपाया। यदि कोई व्यर्थ बातों का फैलाव करता है तो यह छोटे-छोटे पाप उड़ती कला के अनुभव को समाप्त कर देते हैं, इसलिए इस कर्मों की गहन गति को समझकर यथार्थ रूप में सत्यता की शक्ति धारण करो।

Adopt the culture of truth and good manners

If you see or hear something untruthful, do not spread that falsehood into the atmosphere. Many say, "That's a sin, and I can't bear to see anyone committing that sin." However, to spread things that are untrue into the atmosphere is also a sin. You wouldn't spread something you see or hear like this in your lokik family. You would hear it with your ears and hide it in your heart. It is also a trace of sin for someone here to spread anything wasteful around. Such small sins finish the experience of the flying stage. Therefore, understand the deep philosophy of karma and adopt the power of truth in its true form.